

हरियाणा और उत्तर प्रदेश में कम जलापूर्ति

चर्चा में क्यों?

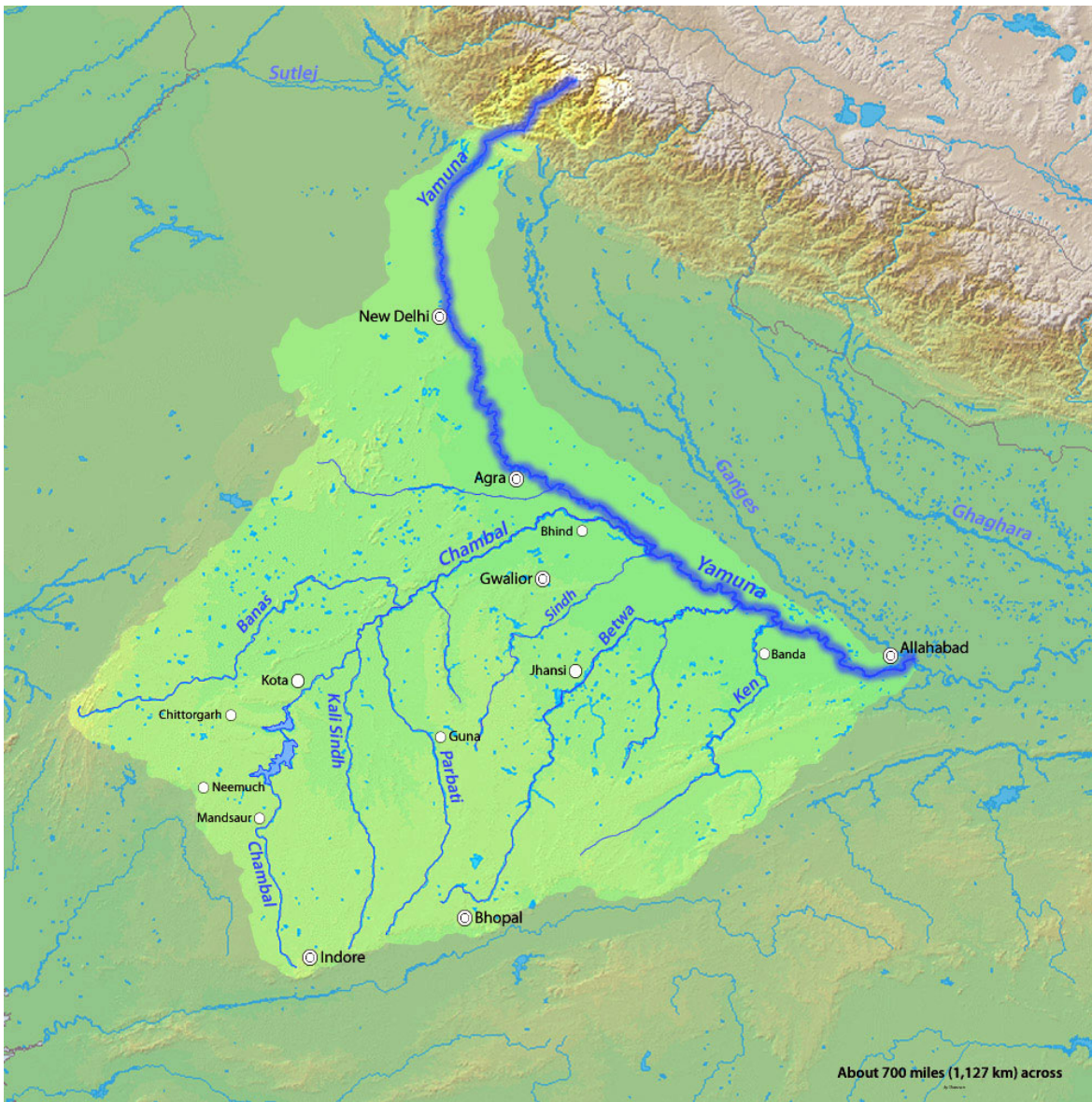
हिमाचल प्रदेश के ऊपरी पहाड़ी इलाकों में वर्षा की कमी के कारण **यमुना** का जलस्तर काफी कम हो गया है, जिससे **हरियाणा और उत्तर प्रदेश** में जलापूर्ति में भारी कमी आ गई है।

मुख्य बंदि

- **हथनीकुंड बैराज में जल स्तर:**
 - **हथनीकुंड बैराज** में जल स्तर बढ़ गया, लेकिन वृद्धि के बावजूद, वर्तमान आपूर्ति मांग से काफी कम है, जिससे **सिंचाई, पेयजल आपूर्ति** और **जल वदियुत उत्पादन** परभावति हो रहा है।
- **पश्चिमी यमुना नहर (WJC) की कमी:**
 - WJC की जल मांग 9,000 क्यूसेक है, लेकिन केवल 1,756 क्यूसेक ही छोड़ा गया।
 - यह नहर **दिल्ली को पेयजल उपलब्ध कराती है तथा दक्षिणी हरियाणा में फसलों की सिंचाई करती है** तथा दोनों ही क्षेत्र जल की कमी से बुरी तरह परभावति हुए हैं।
- **पूर्वी यमुना नहर (EJC) की कमी:**
 - **उत्तर प्रदेश को आपूर्ति करने वाली EJC** को 1,500 क्यूसेक पानी की आवश्यकता है, लेकिन उसे केवल 182 क्यूसेक ही प्राप्त हुआ।
 - **नदी में प्रवाह कम होने के कारण EJC को जलापूर्ति रोक दी गई**, जिससे जलस्तर घटकर 1,142 क्यूसेक रह गया।
- **जलवदियुत परियोजनाओं पर परभाव:**
 - यमुना में जल की कमी के कारण **नैनो वाली, भूडकलां, बेगमपुर और दादुपुर गाँवों में जलवदियुत परियोजनाएँ परभावति हुई हैं।**

यमुना नदी

- **परचिय:**
 - यमुना नदी उत्तरी भारत में गंगा की प्रमुख सहायक नदियों में से एक है।
 - यह **यमुना-गंगा मैदान** का एक अभिन्न हिस्सा है, जो दुनिया के सबसे वसित जलोढ़ मैदानों में से एक है।
- **स्रोत:**
 - इसका स्रोत नचिली **हिमालय पर्वतमाला** में **बंदरपुछ शिखरों** के दक्षिण-पश्चिमी किनारे पर **6,387 मीटर की ऊँचाई पर यमुनोतरी ग्लेशियर** में है।
- **बेसनि:**
 - यह नदी **उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली** से होकर बहने के बाद उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में **संगम (जहाँ कुंभ मेला आयोजति होता है) पर गंगा से मिलती है।**
- **महत्त्वपूर्ण बाँध:**
 - लखवार-व्यासी बाँध (उत्तराखंड), ताजेवाला बैराज बाँध (हरियाणा) आदि।
- **महत्त्वपूर्ण सहायक नदियाँ:** **चंबल, सधि, बेतवा और केन।**



PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/low-water-supply-in-haryana-and-uttar-pradesh>